**आदेश 5 नियम 20, सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अति सादरपूर्वक प्रस्तुत करता है

1. यह कि समनों की तामील प्रतिवादी को प्रभावित नहीं किया गया है जहां तक मामले का सम्बन्ध है।
2. यह कि इस आदरणीय न्यायालय के आदेशों के अनुसार समनों को न्यायालय के जरिए साधारण प्रक्रिया द्वारा प्रतिवादी को भेजा गया और अनेक तार डाक द्वारा भी लेकिन प्रतिवादी इस प्रकार समनों की सेवा को टालने के प्रयोजनार्थ मार्ग से बाहर चल रहा है।
3. यह कि प्रतिवादी................. में कार्य कर रहा है और कार्यालय में नियमित रूप से हाजिर हो रहा है।
4. यह कि वादी व्यक्तिगत रूप से कथित तथ्यों से जानकार है और इस प्रभाव का एक शपथपत्र आवेदन पत्र के साथ-साथ दाखिल किया जा रहा है।
5. यह कि न्यायहित में समीचीन है कि समनों की तामील ऐसे अन्य ढंग से भी प्रभावकारी बनायी जा सकेगी और आदरणीय न्यायालय उपयुक्त एवम् उचित समझे।

**प्रार्थना**

यह अति सादरपूर्वक प्रार्थना की जाती है कि समनों की तामील चिपकाये जाने के द्वारा या समाचार पत्र में प्रकाशन के द्वारा करवायी जाय। यह तदानुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान.....**

**तारीख....**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में..................हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**